



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 534] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 26, 1983/अग्रहायण 5, 1905
No. 534] NEW DELHI, SATURDAY, NOV. 26, 1983/AGRAHAYANA 5, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली 26 नवम्बर, 1983

का. डा. 862(अ) :—केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम,
1948 (1948 का 15) की धारा 21 की उप-धारा (2) के अनुसरण में भारतीय औद्योगिक
वित्त निगम के संचालक बोर्ड की सिफारिश पर, जनवरी, 1984 में उक्त निगम
द्वारा निगमित किये जाने वाले और पहली जनवरी, 1985 को परिपक्व होने वाले

बांड पर देय व्याज की दर को एतद्द्वारा 10% वार्षिक (दस प्रतिशत) निर्धारित करती है ।

[सं. 2(22)आई.एफ. 1/82]

के. पी. पाण्डियन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(BANKING DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th Nov., 1983

S.O. 862(E).—In pursuance of sub-section (2) of section 21 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948) the Central Government, on the recommendations of the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India, hereby, fixes 10% (Ten per cent) per annum as the rate of interest payable on the bond to be issued by the said Corporation in January, 1984 and maturing on 1st January, 1985.

[No. F. 2(22) IF. I/82]

K. P. PANDIAN Under Secy.